Model Answer

Que. Do you believe that lateral entry could weaken the traditional structure of bureaucracy? Critically analyse.

Lateral entry refers to the recruitment of professionals from the private sector, academia, or other non-governmental fields into mid and senior-level positions in government administration. It aims to bring specialized expertise and fresh perspectives into governance. However, it raises questions about its impact on the traditional bureaucratic structure and the efficiency of civil services.

Potential Benefits of Lateral Entry

1. **Specialized Expertise:**
   - Professionals from technical, economic, or scientific backgrounds can provide domain knowledge, which is often lacking in generalist bureaucrats.
   - Example: Economists or technologists in policy-making roles like NITI Aayog.
2. **Innovation and Efficiency:**
   - Lateral entrants bring fresh ideas and innovative approaches from the private sector, fostering better governance.
3. **Addressing Administrative Challenges:**
   - Complex issues like climate change or public health require multi-disciplinary expertise, which lateral entry can provide.
4. **Global Practices:**
   - Countries like the USA and UK effectively use lateral entry in public administration to enhance governance outcomes.

Samyak
An Institute For Civil Services

Concerns about Weakening Traditional Bureaucracy

1. **Dilution of Neutrality and Accountability:**
   - Career bureaucrats are trained for neutrality and adherence to the Constitution, while lateral entrants may lack these values due to limited exposure to public administration.
2. **Institutional Resistance:**
   - Traditional bureaucrats may resist lateral entrants, leading to friction and affecting the smooth functioning of the system.
3. **Transparency Issues in Recruitment:**
   - Without a transparent process, lateral entry may lead to favoritism, politicization, and questions over meritocracy.
4. **Disruption of the Cadre Structure:**
   - Lateral entrants could overshadow career bureaucrats, impacting morale and career progression in the civil services.
5. **Integration Challenges:**
   - Lateral entrants may face difficulties adapting to the hierarchical and procedural nature of bureaucracy.

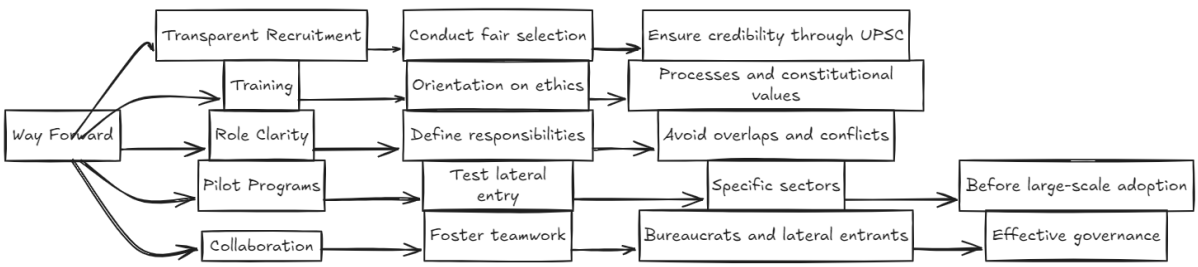

While lateral entry has the potential to strengthen governance by infusing expertise and innovation, it must be implemented cautiously to avoid undermining the traditional bureaucratic structure. A balanced approach that combines the strengths of career bureaucrats with the specialized skills of lateral entrants can ensure an effective and inclusive governance model.

प्रश्न. क्या आप मानते हैं कि लेटरल एंट्री पारंपरिक नौकरशाही की संरचना को कमजोर कर सकती है? समालोचनात्मक विश्लेषण करें।

लेटरल एंट्री का अर्थ है निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत या अन्य गैर-सरकारी क्षेत्रों से पेशेवरों की सरकारी प्रशासन में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर भर्ती। इसका उद्देश्य शासन में विशेषज्ञता और नए दृष्टिकोण का समायोजन है। हालाँकि, यह पारंपरिक नौकरशाही संरचना और लोक सेवाओं की दक्षता पर इसके प्रभाव के सम्बन्ध में सवाल उठाता है।

लेटरल एंट्री के संभावित लाभ

- ***विशिष्ट विशेषज्ञता:***
  - *तकनीकी, आर्थिक या वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले पेशेवर विशिष्ट ज्ञान प्रदान कर सकते हैं, जिसकी अक्सर सामान्यज्ञ नौकरशाहों में कमी होती है।*
  - *उदाहरण: नीति आयोग जैसी नीति-निर्माण भूमिकाओं में अर्थशास्त्री या प्रौद्योगिकीविद्।*
- ***नवप्रवर्तन एवं दक्षता:***
  - *पार्श्व प्रवेशी निजी क्षेत्र से नए विचार और नवीन दृष्टिकोण लेकर आते हैं, जिससे बेहतर प्रशासन सुनिश्चित होता है।*
- ***प्रशासनिक चुनौतियों को संबोधित करना:***
  - *जलवायु परिवर्तन या सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे जटिल मुद्दों के लिए बहु-विषयक विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, जो लेटरल एंट्री द्वारा प्रदान की जा सकती है।*
- ***वैश्विक प्रथाएँ:***
  - *संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश शासन परिणामों में सुधार हेतु लोक प्रशासन में लेटरल एंट्री का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं।*

पारंपरिक नौकरशाही के क्षीण होने का मुद्दा

- ***तटस्थता और उत्तरदायित्व की कमी:***
  - *कैरियर नौकरशाहों को तटस्थता और संविधान के पालन के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जबकि लेटरल एन्ट्रेंट में लोक प्रशासन के सीमित अनुभव के कारण इन मूल्यों का अभाव हो सकता है।*
- ***संस्थागत प्रतिरोध:***
  - *पारंपरिक नौकरशाह लेटरल एन्ट्रेंट का विरोध कर सकते हैं, जिससे टकराव हो सकता है और सुचारू कामकाज प्रभावित हो सकता है।*
- ***भर्ती में पारदर्शिता संबंधी मुद्दे:***
  - *पारदर्शी प्रक्रिया के बिना, लेटरल एंट्री से पक्षपात, राजनीतिकरण और योग्यता पर सवाल उठ सकते हैं।*

- ***कैडर संरचना में व्यवधान:***
    - *लेटरल एन्ट्रेंट कैरियर नौकरशाहों पर हावी हो सकते हैं, जिससे लोक सेवाओं में मनोबल और कैरियर की प्रगति प्रभावित हो सकती है।*
- ***अनुकूलन:***
    - *लेटरल एन्ट्रेंट को नौकरशाही की पदानुक्रमिक और प्रक्रियात्मक प्रकृति के अनुकूल ढलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।*

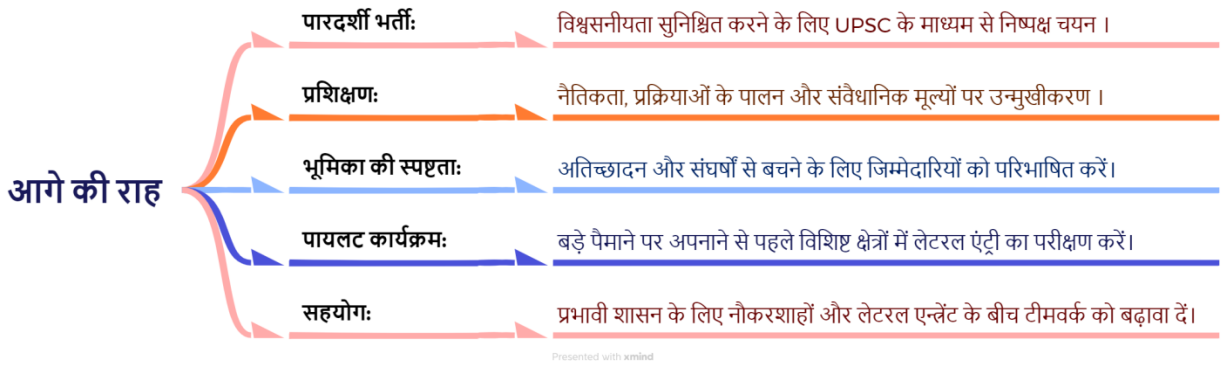

लेटरल एंट्री में विशेषज्ञता और नवाचार के माध्यम से शासन को मजबूत करने की क्षमता है, पारंपरिक नौकरशाही संरचना को क्षीण होने से बचाने हेतु इसे सावधानीपूर्वक लागू किया जाना चाहिए। एक संतुलित दृष्टिकोण जो नौकरशाहों की क्षमता को लेटरल एंट्री के विशेष कौशल के साथ जोड़ता है, प्रभावी और समावेशी शासन मॉडल सुनिश्चित कर सकता है।